बुद्ध विहारों में गूंजा बुद्धम् शरणं गच्छामि

बुद्ध जयंती पर राजधानी के बुद्ध विहारों में बुद्ध वंदना, धम्म ग्रंथ पाठ हुए

भोपाल, 1 मई. वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी भोपाल के कोलार, तुलसी नगर सहित अन्य बुद्ध विहारों में बुद्ध जयंती आस्था के साथ मनाई गई.

शुक्रवार को यहां सुबह से ही पूजन, बुद्ध वंदना, त्रिशरण-पंचशील ग्रहण और धम्मदेशना के कार्यक्रम आयोजित हुए.

इस दौरान श्रद्धालुओं ने बुद्धम् शरणं गच्छामि का जाप किया.

कोलार क्षेत्र में त्रिरत्न बौद्ध संस्थान द्वारा सेमरी चौराहा स्थित चित्रांश फार्म हाउस में बुद्ध पूर्णिमा उत्सव मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायी शामिल हुए. अन्ना नगर स्थित अशोका बुद्ध विहार में सुबह त्रिशरण पंचशील ग्रहण और धम्म ग्रंथ पाठ हुआ, जबकि शाम को बुद्ध वंदना का आयोजन किया गया. तुलसी नगर बुद्ध विहार में भी त्रिरत्न वंदना, धम्मदेशना और अन्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए, जिनमें श्रद्धालुओं की सहभागिता रही.

शहरभर में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया. भगवान बुद्ध की जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुवार को कोलार बुद्ध विहार में भंते शाक्य पुत्र सागर के सान्निध्य में सामूहिक वंदना की गई. फूलों से मंगल मैत्री लिखकर विश्व शांति और भाईचारे की भावना का संदेश दिया गया था. बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में शाम को कैंडल रैली निकाली.

दादाजी धाम मंदिर में हुई विशेष पूजा

दादाजी धाम मंदिर भोपाल में वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाई गई। इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु के दो दिव्य अवतार बुद्ध एवं कूर्म जयंती का पावन संयोग बना, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ एवं पुण्यदायक माना जाता है. मंदिर में पंडित राजेन्द्र पलिया द्वारा वैदिक विधि-विधान से पूजा, हवन एवं आरती कराई गई. श्रद्धालुओं ने 'बुद्धं शरणं गच्छामि' का जाप करते हुए भगवान बुद्ध से शांति और सद्बुद्धि की प्रार्थना की. इस दौरान भगवान विष्णु के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा. दोनों अवतार भगवान बुद्ध अवतार भगवान विष्णु का नवम अवतार, जिन्होंने संसार को अहिंसा, मध्यम मार्ग और करुणा का संदेश दिया. कूर्म अवतार भगवान विष्णु का द्वितीय अवतार, जिसमें उन्होंने कछुए के रूप में प्रकट होकर समुद्र मंथन के दौरान पर्वत को सहारा देकर देवताओं एवं सृष्टि की रक्षा की.

कलाकारों ने दिखाए मां के विभिन्न रूप

मानव संग्रहालय में 'मां-ए हार्टबीट ऑफ एवरी होम' प्रदर्शनी शुरू

भोपाल, 1 मई. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में लिखन्दरा आर्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी 'मां-अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' का शुक्रवार को उद्घाटन हुआ.

मुख्य अतिथि महापौर मालती राय ने रिबन काटकर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. प्रदर्शनी 3 मई तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी. यह प्रदर्शनी सोसाइटी की संस्थापक डॉ. अंकिता जैन की माताजी की स्मृति में आयोजित की गई है. इसमें देशभर के कलाकारों ने 'मां' विषय पर अपनी कलाकृतियां प्रस्तुत की हैं, जिनमें मातृत्व के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं. कार्यक्रम में डॉ. चित्रा सिंह, डॉ. सुषमा श्रीवास्तव सहित कई अतिथि मौजूद रहे. सभागार में अर्चना गुप्ता ने अपनी पेंटिंग में पक्षियों के जरिए मां का रूप दिखाया है. उन्होंने बताया कि घोंसले में बच्चों की देखभाल करती चिड़िया के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि मां हर जीव में होती है. वहीं दूसरी कलाकार स्वाति ने एक महिला के जीवन को चित्रित किया है जिसमे वे कत्थक नृत्य करते हुए अपने बच्चे को गोद में ली है वो मां होने के साथ अपने सपनों और काम के बीच संतुलन बनाती है. डॉ. अंकिता जैन ने कहा कि यह प्रदर्शनी उनके लिए व्यक्तिगत रूप से जुड़ी है और इसका उद्देश्य लोगों को 'माँ' विषय से जोड़ना है.

महिला को असहनीय दर्द से मिली राहत

रीढ़ की हड्डी में चोट लगने से मांसपेशियां जकड़ गई थीं

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 1 मई. एम्स की 65 वर्षीय महिला को 6 से 7 महीने से चल रहे असहनीय दर्द और लकवे में इंट्राथीकल बैक्लोफेन थेरेपी के जरिये राहत मिल गई है.

संस्थान के दर्द चिकित्सा यूनिट (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग) और न्यूरोसर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने मिलकर महिला की रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के बाद स्पास्टिक पैराप्लेजिया (रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका क्षति के कारण आमतौर पर चलने-फिरने में कठिनाई और मांसपेशियों के खिंचाव) नामक गंभीर समस्या निजात दिलाया है. बता दें इस स्थिति में मांसपेशियां बार-बार अनियंत्रित रूप से जकड़ जाती हैं, जिससे अत्यधिक दर्द होता है. चिकित्सा यूनिट के विशेषज्ञ डॉ. अनुज जैन के नेतृत्व में और न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. सुमित राज के सहयोग से मरीज की जांच कर इंट्राथीकल बैक्लोफेन थेरेपी नामक उन्नत उपचार का सुझाव दिया.

पहले किया गया ट्रायल: डॉक्टरों के अनुसार उपचार शुरू करने से पहले डॉक्टरों ने ट्रायल के तौर पर इंट्राथीकल इंजेक्शन दिया. जिसके बाद मरीज की जकड़ी हुई मांसपेशियां तुरंत ढीली पड़ गई और उन्हें तत्काल राहत मिल गई.

निजी अस्पतालों में 10 लाख से अधिक का खर्च: जानकारी के अनुसार इंट्राथीकल बैक्लोफेन पंप प्रत्यारोपण देश के केवल कुछ चुनिंदा अस्पतालों में ही उपलब्ध है. वहीं निजी अस्पतालों में इस उपचार की लागत करीब 10 लाख से अधिक होती है. जबकि एम्स भोपाल में यह सुविधा करीब 7 लाख में उपलब्ध कराई गई.

क्या है इंट्राथीकल बैक्लोफेन थेरेपी

डॉ. अनुज ने बताया कि यह थेरेपी उन मरीजों के लिए बेहद कारगर है, जिन्हें सामान्य दवाओं से राहत नहीं मिलती. इस तकनीक में शरीर में बैक्लोफेन नामक दवा को सीधे रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ में पहुंचाने की एक तकनीक है. जिसमें त्वचा के नीचे पेट के पास एक छोटा, प्रोग्राम योग्य पंप सर्जरी द्वारा लगाया जाता है. वहीं पंप में एक पतली ट्यूब के जरिए दवा को सीधे रीढ़ की हड्डी तक पहुंचाता है. जो कि कम मात्रा में ही असरदार तरीके से काम करती है और साइड इफेक्ट भी कम होते हैं.

रेडक्रॉस सप्ताह आज से, होंगे कई कार्यक्रम

भोपाल, 1 मई. भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के स्थापना दिवस के अवसर पर 2 मई से 8 मई तक पूरे प्रदेश में रेडक्रॉस सप्ताह मनाया जाएगा. इस दौरान विभिन्न जनहितैषी और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. यह जानकारी मध्यप्रदेश राज्य शाखा के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे, सेवानिवृत्त आईएएस ने दी. उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनांट के जन्मदिन 8 मई को विश्वभर में विश्व रेडक्रास दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसी के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में सेवा और जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी. इसके लिये प्रदेश की जिला ईकाईयों तथा विश्व विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं विद्यालयों को निर्देश दिये गये हैं.

पेरिस में लगी बाग प्रिंट की प्रदर्शनी

भोपाल, 1 मई. मध्यप्रदेश की शिल्प धरोहर 'बाग प्रिंट' का परचम पेरिस में लहरा रहा है. फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित 'फोयर डे पेरिस' में भारतीय कला और संस्कृति का भव्य प्रदर्शन देखा जा रहा है. इस अवसर पर भारतीय दूतावास, पेरिस की थर्ड सेक्रेटरी वर्धा खान ने भारतीय पवेलियन का विधिवत उद्घाटन किया.

कार्यक्रम के दौरान बाग, धार (मध्यप्रदेश) के प्रसिद्ध शिल्पकार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद बिलाल खत्री ने वर्धा खान का स्वागत पारंपरिक 'बाग प्रिंट' का अंगवस्त्र पहनाकर किया. बिलाल ने उन्हें इस प्राचीन हस्तशिल्प कला की बारीकियों और इसकी प्राकृतिक रंग प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उद्घाटन के पश्चात वर्धा खान ने भारतीय स्टालों का भ्रमण किया और बाग प्रिंट कला को गहराई से समझा. उन्होंने अपने हाथों से लकड़ी के ठप्पों (ब्लॉक्स) का उपयोग कर एक रुमाल तैयार किया. उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस तरह का प्रदर्शन भारतीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

पचमढ़ी में लीडरशिप कैंप का आयोजन

भोपाल, 1 मई. एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल के स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा 5 दिवसीय विशेष लीडरशिप कैंप का आयोजन 29 अप्रैल से 3 मई तक पचमढ़ी में किया जा रहा है. इस कैंप में बी.पी.ई.एस. एवं एम.पी.ई.एस. के लगभग 70 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, टीमवर्क की भावना को सुदृढ़ करना, अनुशासन को बढ़ावा देना तथा आत्मविश्वास को मजबूत बनाना है. साथ ही, छात्रों को कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने, समस्या समाधान करने एवं समूह में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है. कैंप में विद्यार्थियों के लिए शारीरिक, मानसिक एवं साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं,

एक नजर में

बेंगलुरु में युवाओं को मिले कौशल विकास प्रमाण पत्र

भोपाल, 1 मई. आईसेक्ट इंडिया द्वारा मोटरोला मोबिलिटी के सहयोग से संचालित मोटोरोला आईसेक्ट लर्न एक्स इनिशिएटिव के अंतर्गत एनएमकेआरवी कॉलेज, बेंगलुरु में ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके कौशल विकास, उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों का सम्मान किया गया. यह समारोह में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी दक्षताओं, रोजगारपरक प्रशिक्षण और व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त किया गया. समारोह में प्रतिमा हरिते, हेड ऑफ कॉर्पोरेट सिटिजनशिप, एशिया पैसिफिक, लेनोवो, तिरुमलाई शेषाद्रि कृष्णकुमार, डायरेक्टर, ग्लोबल शेयर्ड सर्विस सेंटर, लेनोवो, रचना गुंडुमी नागराज, मोटरोला इंडिया आरएंडडी एचआर लीडर तथा शिल्पी वार्ष्णेय संचालक आईसेक्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे. आईसेक्ट इंडिया के साउथ जोनल हेड रजत चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ.

दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेला आज से

भोपाल, 1 मई. सिंधी मेला समिति द्वारा लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में 2 मई को दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेले की शुरुआत की जा रही है। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि इस वर्ष यह पारिवारिक सिंधी मेला अपने 29वे वर्ष में प्रवेश कर रहा है. मेले के प्रथम दिन नारी शक्ति वंदन पर समर्पित रहेगा, शनिवार को मेले के अंदर सभी प्रमुख स्थानों पर महिलाओं की भूमिका चारों और मुख्य रूप से दिखाई देगी, दरयानी ने बताया कि महिलाएं अब केवल परिवार संभालने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में सक्रिय नेतृत्व कर रही हैं, और इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए समिति ने इस मेले को महिलाओं को समर्पित करने का निर्णय लिया है. उन्होंने बताया कि मेले के प्रथम दिन की शुरुआत भगवान झूलेलाल जी के बहिराने साहिब की ज्योत प्रज्वलित एवं सिंधी छेज के साथ की जाएगी. इसके अलावा मेले में मुंबई के कलाकार रॉक स्टार नील एवं करण खेमानी अपनी पूरी टीम के साथ प्रस्तुति देंगे. इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूले, सिंधी फन क्विज, गेम्स, पुरस्कार, स्वादिष्ट व्यंजन, रंगारंग आतिशबाजी के साथ साथ अनेक कार्यकम इस मेले में आकर्षण का केंद्र रहेंगे.

शक्ति नगर में विश्व हास्य दिवस पर आयोजन कल

भोपाल, 1 मई. विश्व हास्य दिवस के अवसर पर शक्ति नगर हास्य योग केंद्र में 3 मई को सुबह 7 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. इस कार्यक्रम में हास्य क्लब के उन वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने 80 वर्ष की आयु पूरी कर ली है. वरिष्ठ सदस्य रमेश चन्द्र चौरे और चम्पालाल मलगांया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान हास्य योग का प्रदर्शन किया जाएगा. साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी.

अंजली और माही का भारतीय कोचिंग कैंप के लिए चयन

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 1 मई. मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की खिलाड़ियों अंजली और माही का चयन भारतीय राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए किया गया है. यह कैंप पटियाला में 1 मई से प्रारंभ हुआ, जो 15 जुलाई तक आयोजित होगा. इस राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में देशभर के चुनिंदा मुक्केबाज़ आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे.

इस कैंप में खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस और तकनीकी सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. अंजली सिंह 57 किलोग्राम और माही 60 किलोग्राम भार वर्ग में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित की गयी है. मध्यप्रदेश बॉक्सिंग अकादमी के मुख्य

प्रशिक्षक रोशनलाल ने बताया कि दोनों खिलाड़ी लंबे समय से लगातार मेहनत कर रही हैं और उनके खेल में परिपक्वता देखने को मिल रही है.उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर खेल दिखाया इसी आधार पर उनका चयन. कैंप में शामिल होना उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी का अनुभव मिलेगा.

खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे प्रदेश के लिए गर्व की बात बताया है. उनका मानना है कि इस तरह के चयन से अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और मप्र की बॉक्सिंग को नई दिशा मिलेगी.

मप्र की बेटियों ने जीते एक रजत और 2 कांस्य पदक

नागपुर में हुई जूनियर नेशनल बॉक्सिंग अंडर-17 स्पर्धा

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 1 मई. नागपुर में आयोजित अंडर-17 जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की महिला मुक्केबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए. प्रतियोगिता में प्रदेश की खिलाड़ियों ने अलग-अलग भार वर्ग में दमदार खेल दिखाया और राज्य का नाम रोशन किया.

66 किलोग्राम वर्ग में वारिधि दुबे ने बेहतरीन मुकाबले खेलते हुए फाइनल तक जगह बनाई और रजत पदक हासिल किया उन्होंने कहा 'हर मुकाबला एक जंग था, लेकिन मेरी ट्रेनिंग ने मुझे पार लगा दिया'. वहीं 70 किलोग्राम वर्ग में रिद्धि पांडे ने कांस्य पदक जीता और कहा कि यह पदक मध्य प्रदेश के लिए है हमारी अकादमी में किए गए सघन अभ्यास ने इसे संभव बनाया'. इसके अलावा 75 किलोग्राम वर्ग में स्नेहा वर्मा ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया. तीनों खिलाड़ी खेल विभाग के अंतर्गत संचालित अकादमी से जुड़ी हैं और नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं.

कोच के मुताबिक खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासन और तकनीक का अच्छा प्रदर्शन किया. शुरुआती राउंड से लेकर सेमीफाइनल तक उन्होंने कड़े मुकाबले जीते, जिससे उनके आत्मविश्वास का अंदाजा लगाया जा सकता है.

साक्षात्कार | प्रसिद्ध बांसुरी वादक पद्मश्री पंडित रोनू मजूमदार से नवभारत की बातचीत

बॉलीवुड की तरह शास्त्रीय संगीत में भी है भाई-भतीजावाद

निज संवाददाता

भोपाल, 1 मई. रवींद्र भवन में 'भारत संस्कृति यात्रा' के तहत आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देने आए प्रसिद्ध बांसुरी वादक पद्मश्री रोनू मजूमदार ने नवभारत से बातचीत में अपनी संगीत यात्रा और अनुभव साझा किए. उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद, परिवार वाद) हर जगह है, बॉलीवुड की तरह शास्त्रीय संगीत में भी नेपोटिज्म है.

उन्होंने बताया शास्त्रीय संगीत में बिना खानदानी विरासत के आगे बढ़ना उनकी सबसे बड़ी चुनौती रही. उन्होंने अपने संघर्ष और समर्पण के बल पर बांसुरी वादन में अलग पहचान बनाई,

जिसके लिए उन्हें वर्ष 2025 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया. उन्होंने बताया कि आज की युवा पीढ़ी को शास्त्रीय संगीत से जोड़ना कठिन होता जा रहा है, क्योंकि उनके पास अनेक विकल्प और जानकारी उपलब्ध है. इसके बावजूद वे बांसुरी वादन को लगातार नए प्रयोगों के माध्यम से प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं.

रवीन्द्र भवन में गायन, वादन और नृत्य की हुई प्रस्तुति

भोपाल, 1 मई. रवीन्द्र भवन में हिंदुस्तान आर्ट एंड म्यूजिक सोसायटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर सुबह 9 बजे से विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने गायन,वादन और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं. निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और उन्हें प्रमाण पत्र व मोमेंटो प्रदान किए. शाम 5 बजे युवा उत्सव के अंतर्गत श्वेता पुराणिक जोशी ने खयाल गायन प्रस्तुत किया, वहीं अमरावती से आए संकेत जोशी ने एकल तबला वादन से दर्शकों को प्रभावित किया.कार्यक्रम का

शुभारंभ मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दीप प्रज्वलित कर किया. अरनब और एनी ने जगजीत सिंह और चित्रा सिंह की गजलों को पेश किया. पद्मश्री पंडित रोनू मजूमदार के बांसुरी वादन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम का समापन सुलेखा भट्ट के गायन और समूह कथक नृत्य से हुआ. कार्यक्रम का संचालन संजय मधुप ने किया.अंत में सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया.